शुक्रवार 14.01.2022

अमर उजाला

रूपायन

बंधन में कैसे खिलें फूल

अंदर के पन्नों में

वास्तु ■ पहनावा ■ सौंदर्य ■ कॉफी टेबल ■ फूड कॉर्नर ■ टैरो कार्ड

शीशा पूरब की दीवार पर

अगर आप और आपके जीवन-साथी के बीच रिश्तों में दरार आ गई है या मनमुटाव चल रहा है तो आपको अपने बेड रुम के वास्तु पर ध्यान देने की जरुरत है।

क्या आप जीवन-साथी के साथ संबंधों में कुछ तनाव महसूस कर रही हैं या आप दोनों के बीच किसी तरह का मनमुटाव चल रहा है? घबराएं नहीं और न ही क्रोधित हों। इस समस्या के निवारण में आप वास्तु शास्त्र की मदद ले सकती हैं। अगर जल्द ही आपकी शादी होने वाली है तो भी वास्तु नियमों का पालन करके आप वैवाहिक जीवन को खुशहाल बना सकती हैं।

डॉ. रश्मि जैन
वास्तु विशेषज्ञ

किसी भी घर में वास्तु के अनुरूप शयन कक्ष उस घर का सबसे महत्वपूर्व कक्ष होता है। दिन भर कार्य करने के बाद जब दंपति शयन कक्ष में प्रवेश करे तो वह प्रसन्नतापूर्वक जीवन-साथी के साथ भविष्य की योजनाएं और चैन की निद्रा का आनंद ले सके। शयन कक्ष अपनी ओर आकर्षित करने वाला, सुंदर और आरामदायक होना चाहिए। शयन कक्ष घर का वह मुख्य स्थल है, जहां व्यक्ति जीवन का एक तिहाई भाग बिताता है और रात्रि काल वह समय है, जब आप दिन भर की दौड़-धूप, चिंताओं को भुलाकर नींद का आनंद लेती हैं। पिछले दो वर्षों में जबसे कोरोना महामारी ने देश में पैर पसारे हैं, अनेक जानी-अनजानी समस्याओं ने परिवार में दस्तक दी है। वर्क फ्रॉम होम, स्टडी एट होम, प्ले एट होम आदि ऐसी अनेक गतिविधियां हैं, जिनके विषय में सोचा भी नहीं था। इन परिस्थितियों के बीच दांपत्य जीवन भी अनेक समस्याओं और तनाव से गुजर रहा है। लेकिन प्यार और विश्वास एक ऐसी कसौटी है, जिससे हर मुश्किल को पार किया जा सकता है। वास्तु शास्त्र घर के अंदर एक ऐसे वातावरण को तैयार करने में आपकी मदद करता है, जहां व्यक्ति शांत, सुरक्षित और संतुष्ट महसूस करता है।

सुखी दांपत्य के नियम

- दंपति अपना शयन कक्ष मुख्य द्वार से अधिकतम दूरी पर स्थित कक्षों में ही बनाएं।
- मकान का मुखिया अपना शयन कक्ष दक्षिण और युवा दंपति अपना शयन कक्ष दक्षिण एवं उत्तर के मध्य बनाएं।
- शयन कक्ष में खिड़की या बालकनी अवश्य हो। वहां से आने वाला वायु तत्व स्फूर्ति और आकाश तत्व सही निर्णय लेने की समझ देता है। इसलिए सुबह जल्दी उठें और कुछ समय ताजी हवा, प्रकाश तथा प्रकृति के साथ बिताएं।

शयन कक्ष में शीशा पूर्व या उत्तर दिशा में दीवार पर इस तरह लगाएं कि आपका बेड उसमें नजर न आए।

- शयन कक्ष में हल्के रंगों का इस्तेमाल करें। उत्तरी भाग के शयन कक्ष में लाल और दक्षिणी भाग के कक्ष में नीले रंगों का इस्तेमाल न करें।
- शयन कक्ष में शीशा आधुनिक जीवन-शैली में एक जरूरत-सा बन गया है। जहां तक संभव हो, शीशा शयन कक्ष की पूर्व या उत्तर में दीवार पर इस तरह लगाएं कि किसी भी स्थिति में आपका बेड उसमें नजर न आए।
- शयन कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक सामान का उपयोग कम से कम करें। टेलीविजन और मोबाइल से निकलने वाली तरंगें स्लीपिंग पैटर्न्स को बिगाड़ती हैं। इससे अनिद्रा जैसी समस्याओं की आशंका बनी रहती है।
- वास्तु शास्त्र का मुख्य विषय मनुष्य की प्रकृति के अनुरूप प्रकृति के साथ जीवनयापन की शिक्षा देना है। इसलिए कुछ समय जीवन-साथी के साथ प्रकृति के सानिध्य में जरूर बिताएं।
- वैवाहिक जीवन की मधुर यादों की तस्वीरों को शयन कक्ष की उत्तरी दीवार पर टांगने से पारस्परिक सामंजस्य बढ़ता है।
- हर शुक्रवार को जीवन-साथी को सामर्थ्यानुसार प्रिय वस्तु या लाल गुलाब भेंट करें।